कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
संस्कृत विभाग, डी0एस0बी0 परिसर,नैनीताल
स्नातक पाठ्यक्रम– सस्कृतभाषा(आधार पाठ्यक्रम)
सत्र– 2019-20-21-22

S.N.	SEMESTER	PAPER/ COURSE
1.	बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर सस्कृतभाषा	प्रथम प्रश्न पत्र–1/1 व्याकरण, पत्र एवं निबन्ध लेखन
2.	बी0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर सस्कृत भाषा	प्रथम प्रश्न पत्र– 2/1 व्याकरण, पत्र एवं निबन्ध लेखन

निर्देश– विद्यार्थी सस्कृत भाषा वैकल्पिक रूप में हिन्दी भाषा अथवा अंग्रेजी भाषा के स्थान पर ले सकते हैं। प्रारम्भिक प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में एक–एक प्रश्न पत्र होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा 70 अंकों की और आंतरिक परीक्षा का मूल्यांकन 30 अंक का होगा। बी0 ए0 संस्कृत (भाषा) के लिए प्रारम्भिक कुल दो सेमेस्टर (सत्रार्द्ध) होगें। प्रत्येक सेमेस्टर में मात्र एक प्रश्न पत्र होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 70 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित होगें। आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, असाइन्मेंट तथा प्रजेंटेशन के आधार पर विभागीय प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा। लिखित प्रश्न पत्र अ एवं ब दो खण्डों में विभक्त होगा जिसमें अ खण्ड 30 अंकों एवं ब खण्ड 40 अंकों का होगा। परीक्षार्थी द्वारा लिखित परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर सस्कृत भाषा में दिया जाना है। आन्तरिक परीक्षा में प्रस्तुतीकरण (प्रेजेन्टेशन) तथा नियत कार्य (असाइन्मेंट) अनिवार्य रूप से देना होगा।

नोट– इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रार्द्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला सकांय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (**Uniform Policy**) के अनुसार मान्य होगा एवं प्रस्तावित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार (सत्र से) प्रवृत्त होगा।

स्नातक (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर सस्कृतभाषा
हिन्दी, अंग्रेजी भाषा के स्थान में वैकल्पिक विषय आधार पाठ्यक्रम
सत्र 2019–20 से प्रभावी

प्रथम प्रश्नपत्र व्याकरण, पत्रलेखन एवं अनुवाद **पूर्णांक 100 (70+30)**

1–माहेश्वरसूत्राणाम् , प्रत्याहाराणां, वर्णोच्चारणस्थानानां च परिचयः।

2–शब्दरूपाणि लेखनमात्रम्– राम, हरि, रमा, नदी, मातृ, धेनु गृह, फल।

3– धातुरूपाणि लेखनमात्रम्–पठ्, गम्, लिख् , भू, क्रीड्, दा।(पंचलकारेषु)

4– सर्वनामरूपाणि लेखनमात्रम्– सर्व, तत्, एतत्, अस्मद्, युष्मद्।

5–एकतः पचांशत सख्यापर्यन्त सख्यालेखनम्।

6–भोज्य पदार्थ शब्दावली– दाल, चावल, सब्जी, रोटी, खीर, हलवा, लड्डू, जलेबी, आलू टमाटर, मटर, गोभी, गाजर, करेला, ककडी, प्याज, लहसुन, अदरक, हल्दी, मिर्च, धनिया, नमक, नमक (सेधा), अंगूर, सेब, केला, संतरा, अमरुद, अनार, नींबू, दही, पापड़, नमकीन, सेवंई, दही बडा, चटनी, कुलफी, सत्तू, कढी, हींग, सोंठ , इलायची, उड़द, चना, तिल, मकई, मूँग, जौं ।

7–सामान्य सधिज्ञानम्–

(अ) अच् सधिः– इको यणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः, वृद्धिरेचि, अकः सवर्णे दीर्घः।

(ब) हल् सधिः– स्तोश्चुनाश्चुः, ष्टुनाष्टुः, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोलिमोऽनुस्वारः।

(स) विसर्गसधिः– ससजुषो रुः, खरवसानयोर्विसर्जनीयः, विसर्जनीयस्य सः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, ह्रलोपेपूर्वस्य दीर्घोऽणः।

8–पत्रलेखनम्– शासकीयपत्रम् एवं अशासकीयपत्रम्।

9– सस्कृततः हिन्दीभाषायाम् अनुवादः।

10–हिन्दीभाषातः सस्कृतभाषायाम् अनुवादः।

आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– रचनानुवादकौमुदी, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2– सस्कृतभाषा, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

3– सस्कृतव्याकरण, डॉ प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थकार, जोधपरु ।

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

माहेश्वरसत्रूगतानां केचन् पचंप्रत्याहाराणां वर्णपरिचयः	05
चतुर्षु शब्देषु द्विशब्दयोः विभक्तिवचनेषु रूप लेखनम्	05
चतुर्षु धातुषु द्वयोः धात्वोः पुरुषवचनेषु रूप लेखनम्	05
चतुर्षु सर्वनामेषु द्विशब्दयोः विभक्तिवचनेषु रूप लेखनम्	05
केषुचित् पचं संख्यानाम् सस्कृतरूपम्	05
केषुचित् दशभोज्यपदार्थानाम् सस्कृतरूपम्	05
खण्ड– ब	
पाठ्यगत संधिषु अष्टविकल्पेषु पचांनाम् सोदाहरणम् व्याख्याः	10
एकस्मिन् विषये पत्रलेखनम्	10
दशपक्तिनां/वाक्यानां सस्कृतेऽनुवादः	10
दस पंक्तीनां/वाक्यानां हिन्दीभाषायामनुवादः	10

स्नातक (द्वितीय सत्रार्द्ध /सेमेस्टर) संस्कृतभाषा
हिन्दी, अंग्रेजी भाषा के स्थान में वैकल्पिक विषय आधार पाठ्यक्रम
सत्र 2019–20 से प्रभावी

प्रथम प्रश्नपत्र – व्याकरण, निबन्धलेखन एवं अनुवाद **पूर्णांकः 100 (70+30)**

1– प्रत्ययपरिचयः– क्त, क्तवतु, तुमुन्, ल्युट्, क्तिन्, तव्यत्, अनीयर्।

2– उपसर्गपरिचयः।

3– अव्ययपरिचयः– किम्, कुत्र, किमर्थम्, कदा, अद्य, श्वः, परश्वः, अत्र, तत्र, यत्र, सर्वत्र, इतः, ततः, यावत्, तावत्, यथा, तथा, यदा, अपि, पुनः।

4– दैनिकव्यवहारिक प्रचलितप्रशासनिक आंग्लशब्दानां सस्कृते अनुवादः–Academy- शिक्षालयः, Acknowledgement- प्राप्तिपत्रम्, Appointment- नियुक्ति, Agenda- कार्यसूची, Application- आवेदनपत्रम्, Agency- अधिकरणम्, Bank- कोष, Budget- आयव्ययकम्, By Election- उपनिर्वाचनम्, Cabinet- मन्त्रिमण्डलम्,Calender- तिथिपत्रम्, Chargesheet- आरोपपत्रम्, Chief Judge- मुख्यन्यायाधीशः, Chief Justice- मुख्यन्यायाधीपतिः, C.I.D.- गुप्तचरविभागः, Code- संहिताः, Committee- समितिः, Conference- सम्मेलनम् Copyright- प्रकाशनाधिकारः, Council- परिषद् Court-न्यायालयः, Defence- प्रतिरक्षा, Delegate- प्रतिनिधि, Democracyलोकतन्त्रम्, Finance-वित्तम्, Gazette- राजपत्रम्, Governor- राज्यपालः, Grant-अनुदानम्, Law- विधिः, Majority- बहुमतम्, Nation-राष्ट्रम्, Notice-सूचनापत्रम्, Office- कार्याल यः, Ordinance-अध्यादेशः, Notification-अधिसूचना, Session-सत्रम्, Bio-Data- जीवनवृत्तम्, President- राष्ट्रपतिः, Convocation- दीक्षान्तः, Will- इच्छापत्रम्, Writ- आदेशलेखः।

5– शब्दावली– शरीरवर्गः परिवारवर्गः च–

शरीरवर्गः– आँख, अँगूठा, अंगुली, ओंठ(ऊपर), ओंठ(नीचे), कन्धा, कमर, कलाई, कान, कोहनी, कलेजा, नाखून, नाक, नाडी, पलक, पॉव, पीठ, पेट , बाँह, बाल, भौंह, खाल, खून, गर्दन, गाल, गुदा, घुटना, चारों उंगलियाँ, चोटी, छाती, जाँघ, जीभ, ठुड्डी, तोंद, दाँत, दाढी, मल, मसूडा, मांस, माथा, मुट्ठी, मूँछ, रीढ, लार, शरीर, सिर, स्तन, हड्डी, हथेली, हाथ।

परिवारवर्गः– परदादा, परदादी, दादा, दादी, नाना, नानी, माता, पिता, बडा भाई, छोटा भाई, बहन, चाचा, चाची, मामा, मामी, भाभी, दामाद, बेटा, बेटी, पोता, पोती, सास, ससुर, भतीजी, भतीजा, भांजा, भांजी, बुआ।

6––एकपंचाशततः शत्सख्यापर्यन्तं सख्यालेखनम्।

7–कारकप्रयोग :– प्रातिपदिकार्थलिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्मणि द्वितीया, कर्तृकरणयोस्तृतीया, चतुर्थी सम्प्रदाने च, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधालंवषड्योगेच्च, अपादाने पचंमी, षष्ठी शेषे, सप्तम्यधिकरणे च।

8–समासपरिचयः – अव्ययीभावः, तत्पुरुषः, बहुब्रीहिः, द्विगुः द्वन्द्वः।

9–संस्कृत निबन्धलेखनम् –सस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, भारतीयसस्कृतिः, मम देशः,विद्याविहीनःपशुः,उद्योगिनः पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मी, परोपकाराय सतां विभूतयः, स्त्रीशिक्षायाः महत्त्वम्, अहिंसा परमो धर्मः, सत्संगतिः, पयार्वरणम्।

10– हिन्दीतः सस्कृतभाषायाम् अनुवादः।

आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– रचनानुवादकौमुदी, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2– सस्कृतभाषा, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

3– सस्कृत व्याकरण, डॉ प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थकार, जोधपरु ।

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

केषुचित् पंच शब्देषु प्रकृतिप्रत्ययोः प्रदर्शनम्	05
केषुचित् पंच शब्देषु उपसर्गप्रदर्शनम्	05
केषुचित् पंच शब्देषु अव्ययानामर्थप्रदर्शनम्	05
केषुचित् पंच शब्दानाम् अंग्रेजीरूपान्तरणम्	05
केषुचित् दशशरीरपरिवार वर्गागतशब्दानाम ् सस्कृतरूपम्	05
केषुचित् पंच संख्यानाम् सस्कृतरूपम्	05
खण्ड– ब	
कारकेषु चतुर्षु विकल्पेषु द्वयोः सोदाहरणम् व्याख्याः	10
समासेषु चतुर्षु विकल्पेषु द्वयोः सोदाहरणम् व्याख्याः	10
प्रदत्तेषु विकल्पेषु एकस्मिन् विषये सस्कृतभाषायां निबन्धलेखनम्	10
दश पंक्तीनां/वाक्यानां हिन्दीभाषायामनुवादः	10

स्नातक पाठ्यक्रम सस्कृतसाहित्य– 2019

1.	बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर सस्कृतसाहित्य	प्रथम प्रश्नपत्र– 1/1 नीतिकाव्य एवं व्याकरण द्वितीय प्रश्नपत्र– 1/2 संस्कृत नाटक
2.	बी0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर सस्कृतसाहित्य	प्रथम प्रश्नपत्र– 2/1 संस्कृत काव्य एवं छन्दोऽलंकार द्वितीय प्रश्नपत्र– 2/2 सस्कृत गद्यकाव्य एवं व्याकरण
3.	बी0 ए0 तृतीय सेमेस्टर सस्कृत साहित्य	प्रथम प्रश्नपत्र– 3/1 सस्कृत पद्यकाव्य एवं व्याकरण द्वितीय प्रश्नपत्र– 3/2 सस्कृत गद्यकाव्य एवं भारतीय सस्कृति
4.	बी0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर सस्कृतसाहित्य	प्रथम प्रश्नपत्र– 4/1 काव्य एवं सस्कृतसाहित्य परिचय द्वितीय प्रश्नपत्र–4/2 गद्यसाहित्य एवं निबन्ध
5.	बी0 ए0 पचंम सेमेस्टर सस्कृतसाहित्य	प्रथम प्रश्नपत्र– 5/1 दर्शन एवं व्याकरण द्वितीय प्रश्नपत्र– 5/2 स्मृतिसाहित्य
6.	बी0 ए0 षष्ठ सेमेस्टर सस्कृतसाहित्य	प्रथम प्रश्नपत्र– 6/1 वेद एवं वैदिक साहित्य–परिचय द्वितीय प्रश्नपत्र– 6/2 उपनिषद् एवं भगवद्गीता

निर्देश– बी0 ए0 सस्कृत में कुल छह सेमेस्टर (सत्रार्द्ध) होगें। प्रत्येक सेमेस्टर में दो प्रश्नपत्र होगें। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 55 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 20 अंक आन्तरिक (परीक्षा) मूल्यांकन हेतु निर्धारित होगें। आन्तरिक परीक्षा का मूल्यांकन छात्र/छात्रा की उपस्थिति, अनुशासन, असाइन्मेंट तथा प्रेजेंटेशन के आधार पर विभागीय प्राध्यापकों द्वारा किया जाएगा। लिखित प्रश्नपत्र अ एवं ब दो खण्डों में विभक्त होगा जिसमें अ खण्ड 30 अंकों एवं ब खण्ड 25 अंकों का होगा। परीक्षार्थी द्वारा लिखित परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर सस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेंजी में दिये जा सकते हैं। आन्तरिक परीक्षा में प्रजेन्टेशन (प्रस्तुतीकरण), तथा एसाइन्मेंट अनिवार्य रूप से देना होगा।

नोट– इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रार्द्धों में अंकों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा कला सकांय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (**Uniform Policy**) के अनुसार मान्य होगा।

सत्र 2019–20 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृत साहित्य

1/1 प्रथम प्रश्नपत्र–नीतिकाव्य एवं व्याकरण

पूर्णांक 75 (55+20)

1. नीतिशतकम् –भर्तृहरि 1–50 श्लोक पर्यन्त
2. हितोपदेश, मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)
3. व्याकरण – संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी)

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– नीतिशतकम् – डॉ0 गंगासागर राय
2– नीतिशतकम्– अनन्तराम शास्त्री
3– संस्कृतसाहित्य का इतिहास – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
4– संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
5– हितापदेश– डॉ0 प्रभुनाथ द्विवेदी
6– हितोपदेश (मित्रलाभ) – रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित
7– लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री
8– लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा
9– लघुसिद्धान्त कौमुदी (संज्ञा सन्धि प्रकरण) – डॉ0 लज्जा भट्ट

अंक विभाजन– खण्ड अ

हितोपदेश एवं नीतिशतकम् में छह श्लोकों में से तीन की व्याख्या	15
संज्ञा/संधि प्रकरण से चार में से दो व्याख्या	15
खण्ड ब	
संज्ञा/सन्धि प्रकरण से चार में से दो टिप्पणी	10
नीति साहित्य एवं नीति ग्रन्थ/ग्रन्थकार सम्बन्धी चार में से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15

सत्र 2019–20 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) संस्कृत साहित्य

1/2 द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत नाटक

पूर्णांक 75 (55+20)

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्–कालिदासकृत, 1–4 अंक
2. प्रतिमा नाटकम्– भासकृत प्रथम एवं तृतीय अंक
3. नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, नेपथ्य, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :

1– अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2– अभिज्ञानशाकुन्तल एक विश्लेषण– डॉ0 देवीदत्त शर्मा
3– महाकवि कालिदास– रमाशंकर तिवारी
4– संस्कृत नाटक– ए.बी. कीथ
5– संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय
6– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
7– प्रतिमानाटकम्– भासकृत

अंक विभाजन– खण्ड अ

अभिज्ञानशाकुन्तलम् एवं प्रतिमानाटकम् में चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	20
अभिज्ञानशाकुन्तलम् एवं प्रतिमानाटकम् में चार में से दो सूक्तियों की व्याख्या	10
खण्ड ब	
नाटक एवं नाटककार से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	10
पारिभाषिक (नाट्य) शब्द विश्लेषण पर दो टिप्पणी	15

सत्र 2019–20 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) संस्कृत साहित्य

2/1 प्रथम प्रश्नपत्र– संस्कृत काव्य एवं छन्दोऽलंकार

पूर्णांक 75 (55+20)

1. रघुवंशम्–कालिदास, द्वितीय सर्ग
2. शिशुपालवधम्– माघ, प्रथम सर्ग 1–50 श्लोक पर्यन्त
3. छन्दोऽलंकार –(काव्यदीपिका–अष्टमशिखा)

(अ) अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शादूर्लविक्रीडित, मालिनी एवं मन्दाक्रान्ता।

(ब) अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक , विभावना, विशेषोक्ति, अतिश्योक्ति

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें:

1–रघुवंशम्– कालिदासकृत
2–शिशुपालवधम्–माघकृत
3–छन्दोऽलंकार –काव्यदीपिका–अष्टमशिखा
4–छन्दोऽलंकार – डॉ किरण टण्डन
5– छन्दोऽलंकार परिचय – डॉ0 लज्जा भट्ट
6– छन्दोऽलंकार ज्ञान– डॉ शालिमा तबस्सुम
7– अलकार शास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार
8– वृत्तरत्नाकर– पं0 केदार भट्ट
9– वृत्तरत्नाकर (टीका)– नारायण भट्ट

अंक विभाजन– खण्ड अ

रघुवंशम् एवं शिशुपालवधम् में चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	20
रघुवंशम् एवं शिशुपालवधम् में चार में से दो सूक्तियों की व्याख्या	10
खण्ड ब	
ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	10
छदं एवं अलंकार परिचय से छह में से किन्हीं तीन के लक्षण, पारिभाषा एवं उदाहरण	15

सत्र 2019–20 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृत साहित्य

2/2 द्वितीय प्रश्नपत्र – संस्कृत गद्यकाव्य एवं व्याकरण

पूर्णांक 75 (55+20)

1. कादम्बरी – उज्जयिनी वर्णन से शुकनास परिचय पर्यन्त (अस्ति सकल त्रिभुवन.....राज्ञां नासीत्)।
2. शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास, प्रथम विराम, प्रथम निःश्वास
3. अनुवाद–(अ) हिन्दी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद

   (ब) शब्दरूप सिद्धि– राम, रमा, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद्

   (स) धातुरूप– पठ्, गम्, भू, कृ, लिख्– पाँचों लकारों में लेखन मात्र– लट्, लट्ृ, लोट्, लङ् एवं विधिलिङ्

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1– कादम्बरी

2– शिवराज विजय (अम्बिकादत्त व्यास)– डॉ0 रमाशंकर मिश्र

3– प्रौढरचनानुवाद कौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

कादम्बरी एवं शिवराजविजय में छह में से तीन गद्यांशों की व्याख्या	15
कादम्बरी एवं शिवराजविजय में चार में से दो समीक्षात्मक प्रश्न	15
खण्ड– ब	
शब्दरूप में किन्हीं चार में से दो रूपों की सिद्धि एवं धातुरूप में किन्हीं चार में से दो रूपों का लेखन मात्र	10+5
सस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से सस्कृत में अनुवाद	10

सत्र 2020–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृत साहित्य

3/1 प्रथम प्रश्नपत्र–संस्कृत पद्यकाव्य एवं व्याकरण

पूर्णांक 75 (55+20)

1. कुमारसम्भवम्, कालिदास, प्रथम सर्ग
2. कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्त कौमुदी से
3. समास परिचय, लघुसिद्धान्त कौमुदी से

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1– कुमारसम्भवम् – नेमिचन्द्र शास्त्री
2– कुमारसम्भवम् महाकाव्य– जगदीशलाल शास्त्री
3– कुमारसम्भवम् महाकाव्य– श्री पं0 प्रद्युम्न पाण्डेय
4– लघुसिद्धान्त कौमुदी (समास प्रकरण)– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री
5– लघुसिद्धान्त कौमुदी (समास प्रकरण)– श्री धरानन्द शास्त्री
6– लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

कुमारसंभवम् से चार में से दो व्याख्या	15
ग्रन्थ/ग्रन्थकार से दो में से समीक्षात्मक प्रश्न	15
खण्ड– ब	
सूत्रनिर्देश पूर्वक छह में से तीन प्रयोगों की रूपसिद्धि	15
समास– लक्षण एवं उदाहरण, चार मे ं से दो	10

सत्र 2020–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृत साहित्य

3/2 द्वितीय पश्र नपत्र – संस्कृतगद्यकाव्य एवं भारतीयसंस्कृति

पूर्णांक 75 (55+20)

1. शिवराजविजयम् अम्बिकादत्त व्यास, प्रथम विराम, द्वितीय निःश्वास
2. हर्षचरितम्, बाणभट्ट, पश्र ाम उच्छवास–(प्रारम्भ से सावित्री सहित सरस्वती के मर्त्यलाके आगमन तक–बह्म लोकतः सावित्रीद्वितीया निर्जगाम पर्यन्त)
3. भारतीय संस्कृति – भारतीय संस्कृति की विशेषताएं, पचं महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, वर्णाश्रम व्यवस्था।

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1– शिवराज विजय (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विराम –डॉ0 रमाशंकर मिश्र

2– हर्षचरितम् चुन्नीलाल शुक्ल

3– शिवराजविजय– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी

4– भारतीय संस्कृति– डॉ0 किरन टण्डन

5– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री

6– भारतीय संस्कृति– डॉ0 इन्दुमती मिश्र

7– आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास– कलानाथ शास्त्री

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

हर्षचरित एव ंशिवराजविजय से चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या	20
हर्षचरित एवं शिवराजविजय में दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10
खण्ड– ब	
भारतीय सस्कृति से दो में से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15
भारतीय सस्कृति से चार में से दो टिप्पणी	10

सत्र 20–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृत साहित्य

4/1 प्रथम प्रश्नपत्र – काव्य एवं सस्कृत साहित्य परिचय

पूर्णांक 75 (55+20)

1–किरातार्जुनीयम्, भारवि, प्रथम सर्ग

2–कुमारसम्भवम्, कालिदास, पंचम सर्ग

3–(अ) प्राचीन सस्कृत साहित्यकार– वाल्मीकि, व्यास, भास, भवभूति, शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी। (ब) अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकार– अम्बिकादत्त व्यास, शिवप्रसाद भारद्वाज, हरिनारायण दीक्षित, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, राधाबल्लभ त्रिपाठी।

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1– किरातार्जुनीयम् (भारविकृत्)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय

2– कुमारसम्भवम् – नेमिचन्द्र शास्त्री

3– संस्कृत साहित्य का इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी

4– संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय

5– आधुनिक संस्कृत साहित्य– डा॰ हीरालाल शुक्ल

6– अर्वाचीन सस्कृत

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

कुमारसंभवम् एवं किरातार्जुनीयम् से चार में से दो पद्यांशो ंकी व्याख्या	20 अंक
कुमारसंभवम् एव ंकिरातार्जुनीयम् में चार में से दो सूक्तियॉ	10अंक
खण्ड– ब	
ग्रन्थ/ग्रन्थकार से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10अंक
प्राचीन एवं अवार्च ीन साहित्यकार से छह में से तीन टिप्पणी	15अंक

सत्र 20–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) संस्कृत साहित्य (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृत साहित्य

4/2 द्वितीय प्रश्नपत्र –गद्यकाव्य एवं निबन्ध

पूर्णांक 75 (55+20)

1.दशकुमारचरितम्, दण्डी, पूर्वपीठिका

2. कादम्बरी, बाणभट्ट, शुकनासोपदेश

3. निबन्ध लेखन (संस्कृत)– सस्कृतभाषाया महत्त्वम्, विद्याविहीनः पशुः, उद्योगिनः पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मी, परोपकाराय सतां विभूतयः, स्त्री शिक्षायाः महत्त्वम्, अहिंसा परमो धर्मः, सत्संगति, पर्यावरणम्, ।

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1– दशकुमारचरितम् (दण्डिकृत) पूर्व– पीठिका– विश्वनाथ झा

2– कादम्बरी– आचार्य शेषराज रेग्मी

3– संस्कृत निबन्ध शतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

4– निबन्ध चन्द्रिका– डॉ0 कृष्णदेव राय

5– निबन्ध निबन्धांजलि– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य

6– रचनानुवाद कौमुदी– कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

कादम्बरी एवं दशकुमारचरितम् से चार में से दो व्याख्याएँ	20 अंक
कादम्बरी एवं दशकुमारचरितम् में चार में से दो सूक्तियॉ	10अंक
खण्ड– ब	
ग्रन्थ/ग्रन्थकार से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10अंक
सस्कृत में निबन्ध लेखन	15अंक

सत्र 21–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (पंचम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) संस्कृतसाहित्य

5/1 प्रथम प्रश्नपत्र – दर्शन एवं व्याकरण

पूर्णांक– 75 (55 + 20)

1.तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त।

2. तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त।

3. व्याकरण – प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत्, अनीयर्, ण्वलु , तृच्, क्त्, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन् एवं घञ्। (लघु सिद्धान्त कौमुदी)।

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1– तर्कसंग्रह (अन्नम् भट्ट)– डॉ0 चन्द्रशेखर द्विवेदी

2– लघु सिद्धान्त कौमुदी– कृदन्त पक्र रण– महेश सिंह कुशवाहा

3– लघु सिद्धान्त कौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री

4– लघु सिद्धान्त कौमुदी– डॉ0 सरु न्द्र देव शास्त्री

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

तर्कसग्रंह से चार में से दो व्याख्याएँ (प्रारम्भ से कारण पर्यन्त)	15 अंक
तर्कसग्रंह से चार में से दो व्याख्याएँ (प्रत्यक्ष प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त)	15अंक
खण्ड– ब	
ग्रन्थ/ग्रन्थकार से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10अंक
व्याकरण अंश से छह में से तीन प्रयोग/सूत्रों की सिद्धि	15अंक

सत्र 21–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (पंचम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृत साहित्य

5/2 द्वितीय प्रश्न पत्र – स्मृति साहित्य

पूर्णांक 75 (55+20)

1.मनुस्मृति, सप्तम अध्याय

2.याज्ञवल्क्य स्मृति, प्रथम आचार अध्याय–गृहस्थधर्म प्रकरण श्लोक 97–128 पर्यन्त

3.स्मृति साहित्य परिचय

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें–

1–मनुस्मृति–

2– याज्ञवल्क्यस्मृति–

3–वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह

4– विशुद्ध मनुस्मृति– डॉ0 सुरेन्द्र कुमार

5– मनुस्मृति– डॉ राकेश शास्त्री

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

मनुस्मृति से चार में से दो व्याख्याएँ	15 अंक
याज्ञवल्क्यस्मृति से चार में से दो व्याख्याएँ	15अंक
खण्ड– ब	
मनुस्मृति/याज्ञवल्क्यस्मृति ग्रन्थों से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15अंक
स्मृति साहित्य से दो टिप्पणी	10अंक

सत्र 2021–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (षष्ठ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृतसाहित्य

6/1 प्रथम प्रश्नपत्र– वेद एवं वैदिकसाहित्य–परिचय

पूर्णांक 75 (55+20)

1. **वेद**– अ– ऋग्वेद– अग्निसूक्त 1/1, अक्षसूक्त 10/34, विष्णुसूक्त 1/154
   ब– यजुर्वेद – शिवसंकल्पसूक्त।
   स– अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त
2. वेद एवं वेदांग परिचय
3. ब्राह्मण ग्रन्थ एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय।

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तके ं :–

1–वैदिक सूक्त चयनिका– डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी
2–वैदिक सूक्त संकलन– विजय शंकर पाण्डे
3–वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह
4–वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह
5–वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

वेद से चार में से दो व्याख्याएँ	20 अंक
पाठ्य सूक्तों एवं देवता से दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10अंक
खण्ड– ब	
वैदिक साहित्य से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15अंक
वैदिक साहित्य से चार में से दो टिप्पणी	10अंक

सत्र 2021–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (षष्ठ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर) सस्कृत साहित्य

6/2 द्वितीय प्रश्नपत्र – उपनिषद् एवं श्रीमद्भगवद्गीता

पूर्णांक 75 (55+20)

1. कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय
2. श्रीमद्भगवद्गीता, द्वितीय अध्याय
3. दशोपनिषद् परिचय– ईश, केन, कठ, मुण्डक, माण्डूक्य, छान्दोग्य, वृहदारण्यक, तैत्तिरीय, ऐतरेय एवं प्रश्नोपनिषद्।

20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सहायक पुस्तकें :–

1–कठोपनिषद्– डॉ0 कीर्त्यानन्द झा

2–कठोपनिषद् प्रथम भाग– महेश अनुसन्धान संस्थान, वाराणसी

3–कठोपनिषद्– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री

4–प्राचीन भारत का साहित्यिक एवं सास्कृतिक इतिहास– डॉ0 निरंजन सिंह योगमणि'

5–श्रीमद्भगवद्गीता– रामानन्द प्रसाद

6–वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह

7–वैदिक साहित्य आरै संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे

अंक विभाजन–

खण्ड– अ

कठोपनिषद् से चार में से दो व्याख्याएँ	15 अंक
श्रीमद्भगवद्गीता से चार में से दो व्याख्याएँ	15अंक
खण्ड– ब	
कठोपनिषद्/गीता से दो में से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	15अंक
दशोपनिषद् से चार में से दो टिप्पणी	10अंक